ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अज्ञेय आधुनिकता के महाद्वीप हैं : प्रो. आनंद कुमार सिंह

हिंदी विश्वविद्यालय में 'अज्ञेय' की जयंती पर हुआ व्याख्यान

वर्धा, 09 मार्च 2026: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की जयंती पर 'प्रयोगवादी काव्य और अज्ञेय' विशेष पर आयोजित व्याख्यान में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी के महान कथाकार, उपन्यासकार व पत्रकार 'अज्ञेय' आधुनिकता के महाद्वीप हैं। प्रो. सिंह ने अज्ञेय

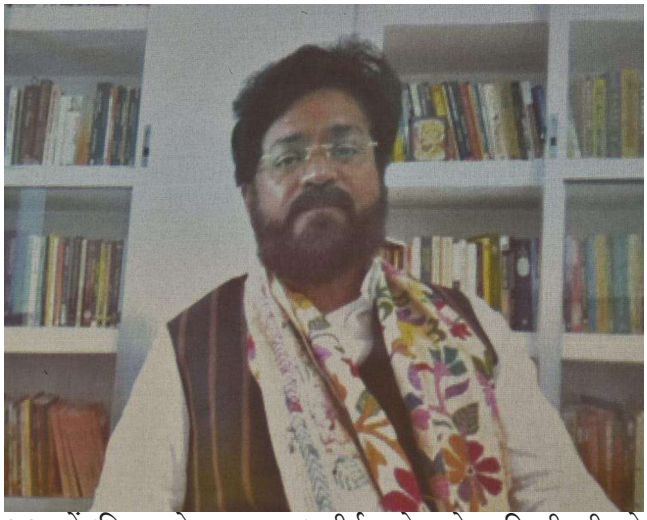

के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि राम कमल राय ने 1986-87 में 'शिखर से सागर तक' शीर्षक से अज्ञेय की जीवनी को लिखी जिसमें अज्ञेय के जीवन से जुड़े अज्ञात पक्ष मिलते हैं। तार सप्तक का विस्तार से विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रयोगवाद का घोषणापत्र है। प्रगतिवाद और प्रयोगवाद को व्याख्यायित करते हुए उन्होंने कहा कि कविता को समझने के लिए उस कालखंड के राजनैतिक परिदृश्य को समझना आवश्यक होता है। कवि अज्ञेय ने परंपरा और प्रगति का द्वंद्व मिटाया, वे भारतीय परंपरा के प्रतीक माने जाते हैं।

ग़ालिब सभागार में शनिवार, 7 मार्च को आयोजित कार्यक्रम का स्वागत एवं प्रास्ताविक वक्तव्य साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने दिया। उन्होंने कहा कि कविता में प्रयोगवाद को लाने का श्रेय अज्ञेय को जाता है। उनकी कविताओं में दार्शनिक और बौद्धिकता का स्वर प्रखर रूप से प्रदर्शित होता है। उन्होंने तार सप्तक की चर्चा करते हुए अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। संचालन कार्यक्रम के सह- संयोजक, हिंदी साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजक हिंदी साहित्य विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ अज्ञेय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. शैलेश मरजी कदम, डॉ. कोमल कुमार परदेसी, डॉ. रणंजय कुमार सिंह, बी.एस. मिरगे सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** **www.hindivishwa.org**

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

अज्ञेय हे आधुनिकतेचे महाद्वीप आहे: प्रो. आनंद कुमार सिंह

हिंदी विश्वविद्यालयात अज्ञेय यांच्या जयंतीनिमित्त व्याख्यान आयोजित

वर्धा, ९ मार्च २०२६: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात साहित्यिक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' यांच्या जयंतीनिमित्त 'प्रयोगवादी काव्य आणि अज्ञेय' या विषयावर विशेष व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले. यावेळी उच्च शिक्षण उत्कृष्टता संस्थान, भोपाळचे निवृत्त प्राध्यापक आनंद कुमार सिंह म्हणाले की हिंदीचे महान कथाकार, कादंबरीकार आणि पत्रकार अज्ञेय हे आधुनिकतेचे महाद्वीप आहेत. प्रो. सिंह यांनी अज्ञेय यांच्या योगदानावर प्रकाश टाकताना सांगितले की राम कमल राय यांनी १९८६–८७ मध्ये 'शिखर से सागर तक' या शीर्षकाखाली अज्ञेय यांची चरित्रात्मक कादंबरी लिहिली, त्यामध्ये त्यांच्या जीवनाशी संबंधित अनेक अज्ञात पैलू समोर येतात. प्रगतिवाद आणि प्रयोगवाद स्पष्ट करताना त्यांनी नमूद केले की एखाद्या कवितेला समजून घेण्यासाठी त्या काळातील राजकीय परिस्थिती समजून घेणे आवश्यक असते. कवी अज्ञेय यांनी परंपरा आणि प्रगती यांतील द्वंद्व दूर केले, ते भारतीय परंपरेचे प्रतीक मानले जातात.

शनिवार, ७ मार्च रोजी गालिब सभागृहात आयोजित कार्यक्रमाचे स्वागत व प्रास्ताविक साहित्य विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार यांनी केले. ते म्हणाले की कवितेत प्रयोगवाद आणण्याचे श्रेय अज्ञेय यांनाच जाते. त्यांच्या कवितांमध्ये तत्त्वज्ञान आणि बौद्धिकतेचा ठळक स्वर दिसून येतो. 'तार सप्तक'चा उल्लेख करत त्यांनी अज्ञेय यांच्या बहुआयामी व्यक्तिमत्त्वावरही प्रकाश टाकला. कार्यक्रमाचे संचालन हिंदी साहित्य विभागाचे सहायक प्रोफेसर व कार्यक्रमाचे सह-संयोजक डॉ. सुनील कुमार यांनी केले, तर हिंदी साहित्य विभागाचे एसोशिएट प्रोफेसर, कार्यक्रमाचे संयोजक डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात अज्ञेय यांच्या प्रतिमेस पुष्पांजली अर्पण करून व दीपप्रज्ज्वलनाने झाली. प्रारंभ विश्वविद्यालयाच्या कुलगीताने तर समारोप राष्ट्रगीताने झाला. या वेळी डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. शैलेश मरजी कदम, डॉ. कोमल कुमार परदेसी, डॉ. रणंजय कुमार सिंह, बी. एस. मिरगे तसेच मोठ्या संख्येने शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित होते.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305